Publication: Daily Adhikar **Date: Friday, 11th April, 2014**
Edition: Mumbai

इंडियाफर्स्ट लाइफ की 28 प्रतिशत वृद्धि

मुंबई। देश की सबसे नई जीवन बीमा कंपनियों में से एक इंडियाफर्स्ट लाइफ ने वित्त वर्ष 2013-14 में 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए एक और कामयाब साल अपने खाते में जोड़ लिया है।यह उद्घोषणा इंडियाफर्स्ट लाइफइंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक व सीईओ डॉ पी नंदगोपाल ने की।अनिश्चित आर्थिक परिदृश्य तथा बीमा उद्योग के नियामकीय बदलावों के बावजूद कंपनी का 'ग्रॉस न्यू बिजनस प्रीमियम' बढ़ कर 2012-13 के 1316 करोड़ रुपए से बढ़कर 2013-14 में 1681 करोड़ रुपए हो गया।डॉ नंदगोपाल ने कहा, ''वित्त वर्ष 2013-14 के परिणाम यह दर्शाते हैं कि हम परिवर्तनशील तथा बाजार की तेजी से बदलती परिस्थितियों के अनुकूल बनने में कितने सक्षम हैं। उत्पादों व प्रक्रियाओं के मामले में हमारी उपभोक्ता केन्द्रित सोच, हमारी निरंतर प्रगति में प्रमुख योगकारक रही है। नए वित्तीय वर्ष में हमारा ध्यान बाजार में गहरी पैठ बनाने पर रहेगा, जिसके तहत हम उपभोक्ता के नए वर्गों तक पहुंचेंगे, अपने उत्पादों व सेवाओं का विस्तार करेंगे तथा अपने उपभोक्ताओं के समग्र अनुभव में इजाफा करेंगे।वित्त वर्ष 2013-14 के अंत तक कंपनी 24 लाख जिंदगियों को सुरक्षा दे चुकी है, रू(प्रबंधन के अंतर्गत परिसंपत्तियां) का आंकड़ा 6500 करोड़ रुपए पर पहुंच चुका है।कंपनी आज सभी चार अहम कारोबारों में है स्वास्थ्य, सुरक्षा, बचत और संपत्ति। अब इसकी योजना पेंशन तथा माइक्रो-इंश्योरेंस सैगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत करने की है।डॉ नंदगोपाल ने आगे बताया, ''हम वितीय रूप से दायरे से बाहर मौजूद ग्रामीण व शहरी दोनों किस्म के लोगों को सशक्त करने पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं तथा इस के लिए हम औद्योगिक निकायों के साथ मिल कर गहनता के साथ कार्य कर रहे हैं। माइक्रोइंश्योरेंस के जरिए हमारा लक्ष्य आबादी के बड़े हिस्से को सुरक्षा के दायरे में लाना है; इसके तहत हम किफायती व लचीले उत्पाद उन लोगों के घर तक पहुंचाएंगे।इंडियाफर्स्ट ने बैंकाश्योरेंस में अपनी ताकत को सहयोग देने के लिए वैकल्पिक मार्ग भी विकसित किए जिनमें डिजिटल व कॉर्पोरेट बिजनस भी शामिल हैं। कंपनी ने अपनी स्थापना के बाद से वृद्धि के पैमानों पर निरंतर उन्नति की है। इंडियाफर्स्ट ने वि.व. 2009-10 में कारोबार शुरु करने के 200 दिनों से भी पहले 200 करोड़ रुपए का 'न्यू बिजनस प्रीमियम' संचित कर लिया था। प्रगति की यह कहानी आगामी वर्षों में भी जारी रही:- वि.व. 2010-11 में यह आंकड़ा 704 करोड़ रुपए, वि.व. 2011-12 में 982 करोड़ रुपए तथा वि.व. 2012-13 में 1,316 करोड़ रहा। इंडियाफर्स्ट की सभी पहलकदमियों के पीछे टैक्नोलॉजी का हाथ रहा है। यह उन पहली कंपनियों में से एक है जिसने अपनी सभी पॉलिसियां डिमैटेरियलाइज्ड फॉरमेट में पेश की। कंपनी ने अपने 'मैजिकबोर्ड' के लिए वर्ष 2013 इंडियन इंश्योरेंस अवार्ड्स में टैक्नोलॉजी इनोवेशन अवार्ड भी जीता।